सुखलिया जैन मंदिर में पंचकल्याणक संपन्न...

राजेश जैन, इन्दौर । पाषाण से भगवान बनाने की प्रक्रिया पंचकल्याणक महोत्सव है जिसमें तीर्थंकर भगवन्तो के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान व मोक्ष कल्याणक का जीवन्त दर्शन होता है । इन्दौर के पूर्वोतर क्षेत्र सुखलिया मंदिर में पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन 22 से 27 नवंबर 21 तक साअनंद संपन्न हुआ। पंचकल्याणक में संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य श्री 108 मुनि श्री मार्दव सागर जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ । सुखलिया समाज अध्यक्ष श्री विनोद जैन एवं उनकी समस्त कार्यकारिणी के अथक प्रयासों से कार्यक्रम साआनंद संपन्न हुआ । 28 वर्ष पूर्व पहली बार पंडित नाथूलाल जी शास्त्री के सानिध्य में आदर्श पंचकल्याणक संपन्न हुए थे । उस समय सुखलिया में करीब 40-50 परिवार थे आज लगभग 260 परिवार निवास करते है । पूर्व में मंदिर पहली मंजिल होने के कारण कुछ बुजुर्ग सदस्यों को दर्शन करने की असुविधा होती थी । सदस्यों की भावना थी कि तल मंजिल पर भी दर्शन उपलब्ध हो । तल मंजिल पर वेदी बनाना समय व समाज की महती आवश्यकता थी जो पंचकल्याणक के द्वारा पूर्ण हो गई । प्रथम तल वेदी पर मूलनायक 1008 भगवान श्री महावीर स्वामी जी श्री आदिनाथ जी व श्री चंद्रप्रभु जी विराजमान है, तल मंजिल पर 1008 भगवान श्री शांतिनाथ जी श्री कुंथनाथ जी व श्री अरहनाथ जी विराजमान है । पंचकल्याणक के प्रमुख पात्रों का चयन बोली द्वारा किया गया जिसमें गोलालारीय समाज के कई परिवार ने सौभाग्य प्राप्त किया । भरत चक्रवर्ती- श्री पंकज सरिता सिंघई, बाहुबली - श्री सनत मिथिलेश जैन, महामंडलेश्वर- श्रीमती आशा विजय पंचरतन व श्रीमती पारुल आशीष जैन, मंडलेश्वर- श्रीमती अनुपमा राजेश जैन, शतार इंद्र- श्रीमती अनीता राजेन्द्र राजदीप, आरण इंद्र - श्रीमती रक्षा प्रवीण जैन, आचुत्य इंद्र - श्रीमती पुष्पा ज्ञानसागर जैन आदि ने प्रमुख पात्र बनकर धर्म प्रभावना बढ़ाई । नगर में जब भी कोई धार्मिक आयोजन होता है तो समाज के संगठन व वरिष्ठ सदस्यों द्वारा आगे बढ़कर स्वत: ही जिम्मेदारियों का निर्वाह निष्ठापूर्वक करते रहे है । पूर्वोत्तर क्षेत्र में विगत कई वर्षों से धर्म प्रभावना निरंतर बहती रही है और इस क्षेत्र के कर्मठ व धर्मप्रेमी कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन को यादगार बना दिया । महावीर युवा मंडल, सुखलिया ने मुनिश्री मार्दव सागरजी के विहार से लेकर पंचकल्याणक तक संपूर्ण कमान संभाली । भक्तामर युवा मंडल के कर्मठ कार्यकर्ताओं ने भोजन व्यवस्था का सुचारु संचालन किया । एड.अरविंद्र जैन परदेशीपुरा जैन मंदिर अध्यक्ष का मार्गदर्शन व सहयोग समय समय पर सुखलिया समाज को मिलता रहा है । महिला संगठन द्वारा तैयार विद्यासागर नृत्य नाटिका का मंचन ने सभी का मन मोह लिया ।

कुंडली मिलान एक अभिशाप है

मित्रो जब से कम्प्यूटर का चलन आया है तब से कुंडली मिलान की प्रथा बहुत ज्यादा हो गई है । इससे पहले कभी भी हमारे पूर्वज कुंडली का मिलान नही करते थे ।

आज आप के पूर्वज या माँ बाप जिनको आप अपने जीवन में उच्चतम स्थान देते होंगे । एक बार उनकी कुंडली मिलान करके देखिएगा । मैं दावे के साथ कहता हूँ 90% कि कुंडली नही मिलेगी, जब कि सबसे सफलतम परिवार वही होगा ।

आज हम शक्ल-सूरत, पढाई, आर्थिक स्थिति, शहर, उम्र सब मिलाने के बाद कुंडली में आकर अटक जाते हैं । इस कुंडली मिलान के चक्कर हम सब एक अच्छे जीवन साथी से चूक रहे है । कहते है भगवान राम-सीता जी कुंडली सबसे अच्छी मिली थी फिर हुआ क्या 14 वर्ष वनवास और फिर महल से निकाला गया ।

आज हमारा समाज इतना पढा लिखा हो गया है कम से कम इस वैज्ञानिक युग में हमे इन अंधविश्वासों को दूर करके एक अच्छे जीवन साथी की तलाश करनी चाहिए न कि एक अच्छी कुंडली की । अगर आप मेरी बातों से सहमत है तो अपने बॉयोडाटा में जन्म की तारीख तो लिखे पर जन्म के समय की जगह लिखे - हम कुंडली नही मिलाते । आप सब पढ़े लिखे लोग है, इसे एक अभियान बना दे । हमारे परिवारों की आधे से ज्यादा समस्या तो यूँ ही हल हो जाएगी जो कुंडली के चक्कर में अटकी है ।

कुंडली का सच - एक बार बनारस में भारत का सबसे बड़ा ज्योतिष सम्मेलन हुआ । वहाँ पर एक व्यक्ति 10 कुण्डलिया लेकर आया और उसने ज्योतिषियों के सामने कुछ प्रश्न रखे ।) इन 10 कुंडलियो में से कौन सी कुंडली लड़के की है और कौन सी लड़की की ? 2) इन 10 कुंडलियो के आधार पर व्यक्ति के जन्म का समय और स्थान क्या है ? 3) कुंडली के आधार पर कौन जैन, कौन सोनी, कौन पोरवाल, कौन सिंधी, कौन पंडित, कौन ठाकुर, कौन किस जाति का है ? 4) इन 10 कुंडलीयो में कौन कौन सा व्यक्ति जीवित अथवा मृत है ? 5) इन 10 कुंडली के आधार पर कौन सा व्यक्ति शादीशुदा है और कौन कौन सा कुँवारा है ? उस महासम्मेलन में किसी भी ज्योतिषी के पास इन सवालों का जवाब नही था । मित्रों, जिस कुंडली को देखकर आप आज यानी वर्तमान नही बता सकते है , उन कुंडलियो के आधार पर भविष्य को देखना एक मूर्खता के अलावा कुछ भी नही है । मित्रो कुंडली मिलान के चक्कर में आप अपने बच्चो का भविष्य अंधकार में ढकेल रहे है। आप अपने संस्कारों और श्रीजी पर भरोसा रखें सब अच्छा होगा ।

108 आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज का केन्द्र सरकार को बड़ा संदेश -

भारत को धर्म निरपेक्ष नहीं, धर्म सापेक्ष राष्ट्र बनाना चाहिए

पावन तीर्थ कुंडलपुर में 108 आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज ने भारत के संविधान में धर्म निरपेक्ष शब्द को हटाकर धर्म सापेक्ष करने का आव्हान किया है। आचार्यश्री ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा और उन्नति धर्म से विमुख होकर कैसे हो सकती है? अंग्रेजों ने धर्म का अर्थ रिलीजन यानि साम्प्रदायिक होना गलत समझाया है। धर्म का सही अर्थ तो कर्तव्य का ठीक से पालन करना होता है। महोत्सव में लगभग एक लाख लोग उपस्थित थे । महोत्सव में केन्द्रीय विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं प्रहलाद पटेल भी मौजूद थे ।

कुंडलपुर महोत्सव में भगवान आदिनाथ का समवशरण सजाया गया था। इस समवशरण में आचार्यश्री अपने निर्यापक शिष्यों के साथ विराजमान हुए। समवशरण में भगवान की देशना (धर्म उपदेश) के रूप में आचार्यश्री ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि धर्म की विदेशी परिभाषा को स्वीकार करते हुए भारत को धर्म निरपेक्ष राष्ट्र कहा गया, यह बिल्कुल गलत है। धर्म का सही अर्थ समझा ही नहीं गया। धर्म हमें सदमार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। धर्म हमारी आत्मा को पवित्र बनाता है। भारत की संस्कृति रही है कि धर्म पर चलने वाला राजा ही प्रजा को सुखी रख सकता है। धर्म से विमुख होकर जनता का हित कैसे हो सकता है? भारत के राजनेताओं को इस बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के नेताओं को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। आचार्यश्री ने धर्म के पांच गुण भी बताये। उन्होंने कहा कि जहां झूठ, चोरी, हिंसा, कुशील के साथ कम से कम परिग्रह (आवश्यकता के अनुसार वस्तुओं का संग्रह) की बात हो, वहां धर्म होता है। दया का मूल ही धर्म है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में रहकर धर्म निरपेक्ष की बात करना, बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि मेरा यह संदेश केन्द्र सरकार तक पहुंचना चाहिए। आचार्यश्री के इस आव्हान पर लोगों ने तालियां बजाकर समर्थन किया।

आचार्यश्री ने इस बात पर चिन्ता व्यक्त की कि आज षड्यंत्रपूर्वक तरीके से अंडे को शाकाहारी और दूध को मांसाहारी बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस धरती पर यदि साक्षात लक्ष्मी है तो वह गाय है। शास्त्रों में लिखा है कि भगवान आदिनाथ के पुत्र भरत चक्रवर्ती के समय वे तीन करोड़ गौशालाओं का संचालन करते थे। आचार्यश्री ने नकली दूध के प्रचलन पर चिन्ता व्यक्त करते हुए त्यौहार के समय इससे बचने को कहा और गौशालाओं के संरक्षण व संचालन के लिए समाज के हर परिवार को आगे आकर सहयोग करने की भावना रखना चाहिए । **- श्रीमती साधना जैन,** भोपाल

गोलालारीय दर्शन के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण
घोषणा फार्म - 4 (नियम 8)

1.	प्रकाशक स्थल	127, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
4.	प्रकाशक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
5.	संपादक का नाम	राजेन्द्र जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	डीकेएन 230, विजय नगर, इन्दौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर

मैं बाहुबली जैन एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
बाहुबली जैन
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

1 मार्च 2022

आलोक जैन जरीवाला

- 916 हॉलमार्क गोल्ड ज्वेलरी
- कुन्दन ज्वेलरी
- रियल डायमण्ड ज्वेलरी
- शुद्ध सोने व चाँदी के सिक्के
- 100% शुद्ध चाँदी के पूजा के बर्तन

- Coloured Gem Stones Jewellery
- Loose Diamond & Solitaire
- 100% Natural Gem Stones

Certified Gemstone IGI GII

जरीवाला ज्वेल्स

90, जरीवाला मार्केट, लखेरवाड़ी, उज्जैन (म.प्र.) 456006
Mobile : 9826021234, E-Mail : jariwalajewels@gmail.com